दृंह् 1. (scribitur दृह्, gr. 110[a].) *In dial. Vêd.* PAR. firmare, firmum reddere. YAG'.-V.: पृथिवीन् दृंह; — पृथिवीम् उपरेणा 'दृह्णीः· — ATM. firmum esse. YAG'.-V. दृंहस्व (Schol. दृढीभव); दृंहन्तान् दुर्या (domicilia) पृथिव्याम्· (V. Westerg. et cf. दृह्.)

दृढ v. दृह् (gr. 102. *a.*).

दृढविक्रम (BAH. e praec. et विक्रम fortitudo) magnam fortitudinem habens. SU. 1. 18.

दृढव्रत (BAH. e दृढ et व्रत votum) firma vota habens. SU. 1. 10.

दृति *m.* (r. दृ s. ति) corium. MAN. 2. 99.

1. **दृप्** 4. P. 1) gaudere. BHATT. 14. 106. praef. अतिः विजिग्ये तां सेनाम् … अतिदद्र्पच· 2) superbire. MAH. 1. 162.: वरदानाद् दृप्ताः· — *Caus.* superbum reddere. HIT. 103. 7.: कं श्रीर् न दर्पयति· (*Cf.* तृप्.)

2. **दृप्** 1. et 10. P. (सन्दीपने) illuminare, illustrare. (*Cf.* दीप्.)

3. **दृप्** 6. P. (बाधने) vexare. (V. sq. et cf. hib. *drip* «affliction».)

दृफ् 6. P. *i. q. praec.*

दृम्प् 1. P. A. *i. q.* दृप्.

दृम्फ् 6. P. *i. q.* दृप्.

दृश् 6. P. *interdum* A. (in tempp. special. substituitur पश्् *cl.* 4. *q. v.*) videre, conspicere. N. 12. 96.: पतिन् द्रक्ष्यसि; SA. 5. 30.: सा वनानि विचित्राणि … ददर्श; N. 12. 8.: सरितो निर्झरांश्चैव ददर्श; MAH. 1. 2830.: ददृशे धीमान् नन्दनप्रतिमम् वनम्; *ibd.* 7888.: ददृशाते अन्योऽन्यन् तौ; 4972.: मा द्राक्षीस् त्वङ् कुलस्या 'स्य घोरं सङ्क्षयम्; R. Schl. I. 20. 8.: प्रत्युद्ययौ मुनिन् द्रष्टुम्· — *Etiam* auditu percipere. BR. 1. 4.: रोरुद्यमानांस् तान् दृष्ट्वा· — *Pass.* DR. 8. 10.: ददृशे नकुलस् तत्र· *Cum. term.* PAR. (gr. 493.) M. 2. 2345.: सा 'हम् अद्य दृश्यामि जनसंसदि· — *Caus.* P. A. ostendere, monstrare. N. 20. 20.: यदि सूर्यन् दर्शयितासि मे; BH. 11.: तद् एव मे दर्शय देव रूपम्; MAH. 3. 2369.: दर्शया "त्मानम् ostende te, appare, 1. 175.: आत्मानन् दर्शयानः se ostendens; 3. 9960.: दर्शयस्व मार्गम्; 3. 1026.: यो न दर्शयते तेजः· — *C. acc. pers.* R. Schl. II. 97. 1.: तान् तथा दर्शयित्वा तु मैथिलीन् गिरिनिम्नगाम्· — ATM. se ostendere, apparere. A. 4. 20.: अहम् वै त्वान् दर्शये; MAH. 2. 220.: कच्चिद् दर्शयसे मनुष्यान् समलङ्कृतः; SA. 1. 8.: दर्शयामास (v. gr. 458.) तन् नृपम्· (Gr. δέρκω; boruss. vet. *en-deirit* intueri, abjectâ gutturali; lith. *dairau-s* circumspicio, *ap-dairù-s* provideo, *zerkolas* speculum, v. दर्शन, आदर्श; russ. *ζerkolo* id.; hib. *dearcaim* «I see, behold», *dreach* «form, figure, image, a looking-glass», *deicsin* «seeing»; mutato *d* in *l*: *léir* «sight, perception».)

c. अनु 1) videre, conspicere. A. 6. 18.: ना 'न्वपश्यन् तदा किञ्चित्; BH. 1. 31. 13. 30. 15. 10. 2) respicere, rationem habere. MAH. 3. 1082.: न कार्यन् नच मार्यादाङ् क्रुद्धो ऽनुपश्यति· — *Caus.* ostendere. R. Schl. I. 1. 25.

c. अनु praef. सम् putare. MAH. 1. 5037.: स्वेना 'नुमानेन परं साधुं समनुपश्यति·

c. अभि videre, conspicere, aspicere. MAH. 3. 9982. MAN. 9. 308. — *Caus.* ostendere. MAH. 1. 7740.

c. आ *Caus.* ostendere. RAGH. 4. 38.

c. उत् exspectare. RAGH. 2. 60.: उत्पश्यन् सिंहनिपातम्·

c. उप conspicere, intueri. MAH. 1. 8440. — *Caus.* ostendere. HIT. 83. 15.

c. नि *Caus.* monstrare. RAGH. 6. 31.

c. परि videre, conspicere. MAH. 3. 224.: शेषस्य परिपश्याम्य् उपायम्·

c. प्र videre, conspicere. BR. 1. 19. 2. 6. N. 16. 6. BH. 1. 39.

c. प्र praef. सम् *id.* R. Schl. I. 3. 4. II. 69. 18. MAH. 3. 8445.

c. प्रति *id.* MAH. 3. 12005.: दक्षिणस्यान् दिशि यमम् प्रत्यपश्यम्· — *Pass.* iterum conspici, denuo apparere. A. 10. 37.: प्रत्यदृश्यन्त सङ्ग्रामे· — *Caus.* ostendere. MAH. 3. 16425.

c. वि videre. R. Schl. II. 20. 36. — *Pass.* videri, appa-